भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.02.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1904 का उत्तर

मुंबई की वातानुकूलित लोकल ट्रेन सेवाएं

1904. श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे:
श्रीमती भारती पारधी:
श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर:
श्री नरेश गणपत म्हस्के:
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जनवरी 2026 की स्थिति के अनुसार वर्तमान में मुंबई उपनगरीय नेटवर्क की पश्चिमी, मध्य और हार्बर लाइनों पर चल रही वातानुकूलित लोकल ट्रेन सेवाओं की कुल संख्या कितनी है;

(ख) विगत दो वर्षों के दौरान वातानुकूलित लोकल ट्रेनों की दैनिक यात्रियों की संख्या में कितने प्रतिशत वृद्धि हुई है और इस खंड द्वारा कितना राजस्व अर्जित किया गया है;

(ग) क्या सरकार सड़क से रेल की ओर अधिक यात्रियों को आकर्षित करने के लिए एकल यात्रा टिकट किरायों को तर्कसंगत बनाने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) यात्रियों की विविध आवश्यकताओं के अनुरूप वातानुकूलित और गैर-वातानुकूलित कोचों के मिश्रण वाले 'सेमी-एसी' रेक शुरू करने के प्रस्ताव की क्या स्थिति है; और

(ङ) सरकार द्वारा मानसून के मौसम में मुंबई महानगर क्षेत्र में वातानुकूलित लोकल ट्रेन सेवाओं की विश्वसनीयता और समयबद्धता में सुधार के लिए क्या उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, 01-02-2026 की स्थिति के अनुसार, पश्चिम रेल और मध्य रेल द्वारा कुल 3230 ईएमयू लोकल सेवाएं (वातानुकूल सेवाओं

सहित) परिचालित की जा रही हैं। पश्चिम रेल 1410 सेवाएं परिचालित करती है जिनमें 121 वातानुकूल सेवाएं शामिल हैं। मध्य रेल 1820 सेवाएं (94 वातानुकूल ईएमयू सहित) परिचालित करती है जिनमें से 614 सेवाएं (14 वातानुकूल ईएमयू सहित) हार्बर लाइन पर परिचालित की जाती हैं।

राइडरशिप और किराया:

2023-24 की तुलना में 2024-25 में मध्य और पश्चिम रेलों के उपनगरीय खंड में वातानुकूल ईएमयू रेलगाड़ियों के यात्रियों की संख्या में 30.44% की वृद्धि हुई है।

05.05.2022 से उपनगरीय खंडों में चालित वातानुकूल सामान्य सेवाओं की एकल यात्रा के मूल किराये को पहले ही लगभग 50% तक उल्लेखनीय रूप कम कर दिया गया है।

मुंबई उपनगरीय क्षेत्र के लिए क्षमता संवर्धन कार्य :

वर्तमान में, मुंबई क्षेत्र में प्रति दिन लगभग 120 मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियां ओरिजनेट होती हैं और लगभग 3200 उपनगरीय रेलगाड़ियां परिचालित की जाती हैं। क्षमता संवर्धन और संरक्षा बढ़ाने के लिए, भारतीय रेल द्वारा निम्नानुसार कई उपाय किए गए हैं:

मुंबई क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों पर गाड़ी संचालन क्षमता बढ़ाने के लिए, विभिन्न स्टेशनों पर निम्नलिखित निर्माण कार्य पूरे/शुरू किए गए हैं/योजना बनाई गई हैं:

क्र.सं	स्थान	विवरण
1	बांद्रा टर्मिनस	3 पिट लाइनों को पूरा किया गया।
2	मुंबई सेंट्रल	24 एलएचबी सवारी डिब्बों के लिए प्लेटफॉर्मों का विस्तार
3	जोगेश्वरी	2 अतिरिक्त प्लेटफॉर्म
4	दादर	1 अतिरिक्त प्लेटफॉर्म
5	वसई रोड	6 प्लेटफॉर्म, 3 पिट लाइन और 5 स्टेबलिंग लाइन
6	पनवेल-कलंबोली	5 प्लेटफॉर्म, 4 पिट लाइन और 2 सिक लाइन
7	कल्याण	6 प्लेटफॉर्म और 4 पिट लाइन
8	लोकमान्य तिलक (टी)	4 प्लेटफॉर्म और 2 पिट लाइन
9	परेल	6 प्लेटफॉर्म, 5 पिट लाइन, 6 स्टेबलिंग लाइन
10	विरार	25 स्टेबलिंग लाइन
11	दहाणू रोड	11 स्टेबलिंग लाइन
12	मीरा रोड	25 स्टेबलिंग लाइन

उपरोक्त के अलावा, 15 कार वाले ईएमयू को एकोमोडेट करने के लिए 34 स्टेशनों पर प्लेटफार्म विस्तार संबंधी कार्य शुरू किए गए हैं।

मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने के लिए मुंबई शहरी परिवहन योजना (एमयूटीपी)-II जिसकी लागत 8,087 करोड़ रु. है, एमयूटीपी-III जिसकी लागत 10,947 करोड़ रु. है और एमयूटीपी-IIIए जिसकी लागत 33,690 करोड़ रु. है, को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं में मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में निम्नलिखित कार्य शामिल हैं:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रुपए में)
1	सीएसएमटी-कुर्ला पाँचवीं और छठी लाइन (एमयूटीपी-II) (17.5 कि.मी.)	891
2	मुंबई सेंट्रल-बोरीवली छठी लाइन (एमयूटीपी-II) (30 कि.मी.)	919
3	गोरेगांव-बोरीवली से हार्बर लाइन का विस्तार (एमयूटीपी-III ए) (07 कि.मी.)	826
4	बोरीवली-विरार पाँचवीं और छठी लाइन (एमयूटीपी-IIIए) (26 कि.मी.)	2184
5	विरार-दहानू रोड तीसरी और चौथी लाइन (एमयूटीपी-III) (64 कि.मी.)	3587
6	पनवेल-करजत उपनगरीय गलियारा (एमयूटीपी-III) (29.6 कि.मी.)	2782
7	ऐरोली-कलवा (एलिवेटेड) उपनगरीय गलियारा लिंक (एमयूटीपी-III) (3.3 कि.मी.)	476
8	कल्याण-आसनगांव चौथी लाइन (एमयूटीपी-IIIए) (32 कि.मी.)	1759
9	कल्याण-बदलापुर तीसरी और चौथी लाइन (एमयूटीपी-IIIए) (14 कि.मी.)	1510
10	कल्याण-कसारा तीसरी लाइन (67 कि.मी.)	793
11	नायगांव-जूचंद्र डबल कॉर्ड लाइन (6 कि.मी.)	176
12	निलजे-कोपर डबल कॉर्ड लाइन (5 कि.मी.)	338
13	कल्याण यार्ड के ढांचे में परिवर्तन संबंधी कार्य	866
14	तीसरी और चौथी लाइन बदलापुर-करजत (32.5 कि.मी.)	1324
15	चौथी लाइन आसनगांव-कसारा (35 कि.मी.)	794

यात्री वहन क्षमता बढ़ाने के लिए, एमयूटीपी-III और IIIए के अंतर्गत 12 सवारी डिब्बों वाले 238 रेक को मंजूरी दी गई है, जिनकी लागत 19,293 करोड़ रु. है। इन रेकों के प्रापण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही, एसी ईएमयू सेवा का परिचालन परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधन उपलब्धता, यातायात औचित्य आदि के अध्यधीन निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

आगामी मानसून की तैयारी में, क्षेत्रीय रेलों द्वारा यात्री संरक्षा और आराम सुनिश्चित करने के लिए अग्रसक्रिय उपाय करती हैं। नियमित अभियानों के अलावा, मानसून पूर्व अभियान भी शुरू किए जाते हैं, जिनमें ईएमयू/मेमू सवारी डिब्बों में पानी से बचने पर विशेष बल दिया जाता है।

तद्नुसार, निम्नखित उपायों का ध्यान रखा जाता है:

- **बारिश के पानी का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए नालियों/पुलियों की सफाई। जल भरने के कारण रेलपथ परिपथों की खराबी से बचने के लिए विशेष ध्यान के साथ कांटों एवं रेलपथ परिपथों का संयुक्त निरीक्षण।**
- **अवरोध और क्षति से बचने के लिए रेल लाइन और शिरोपरि उपस्कर के पास पेड़ की लटकती हुई टहनियों की छंटाई।**
- **रेल लाइन और रेल परिसर में पानी भरने की रोकथाम करने के लिए शोधक उपाय करने हेतु अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय।**
- **लोकल रेलगाड़ियों का समय पर चालन सुनिश्चित करना और रेकों के फंसने से बचना।**

****